24khel100.qxd 23-10-2026 23:10 Page 1

भारतीय गेंदबाजोंको करना होगा अच्छा प्रदर्शन

किशन दूसरे टी-२० मैच से बाहर, वैभवको मिल सकता है मौका, न्यूजीलैण्ड करना चाहेगा वापसी

क्राइस्टचर्च (एजेन्सियां)। भारत को दूसरे टी-२० मैच से पहले करारा झटका लग गया क्योंकि विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन चोट लगने के कारण मैच से बाहर हो गये हैं। भारत पहले मैच में बल्लेबाजों के दम पर बड़ा लक्ष्य हासिल करने में सफल रहा लेकिन अगर उसे अपना विजय अभियान जारी रखना है तो न्यूजीलैण्ड के खिलाफ शनिवार को यहां होने वाले दूसरे टी-२० अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में उसके गेंदबाजों को अच्छा प्रदर्शन करना होगा। पिछले कुछ समय की तरह इस मैच में भी भारतीय गेंदबाजों का प्रदर्शन साधारण रहा। अगर बल्लेबाजों ने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया होता तो परिणाम उल्टा हो सकता था। भारत ने २२६ रन का रेकार्ड लक्ष्य हासिल करके पांच मैच की शृंखला में १-० की बढ़त हासिल कर ली लेकिन बल्लेबाजों पर अत्यधिक निर्भरता बाकी मैचों में भारी पड़ सकती है। भारत के लिए पांचवें और छठे गेंदबाज का विकल्प चिंता का विषय बना हुआ है क्योंकि चोटिल हार्दिक पंड्याकी अनुपस्थिति में अन्य आलराउंडर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। पहले मैच में नीतीश रेड्डी ने चार ओवर में ४० रन दिये और उन्हें कोई विकेट नहीं मिला जबकि नमन धीर को गेंदबाजी का मौका नहीं मिला लेकिन उन्होंने बल्लेबाजी में मैच विजेता पारी खेली। भारत की गेंदबाजी की मुश्किलों को और बढ़ाने वाली बात यह है कि शृंखला के पहले मैच में उसके प्रमुख गेंदबाजों की जमकर धुनाई हुई। लगभग चार साल बाद भारत के लिए अपना पहला मैच खेल रहे भुवनेश्वर कुमार अपनी सर्वश्रेष्ठ फार्म में नहीं थे और उन्होंने चार ओवरों में ४९ रन लुटा दिये। उनकी दो नो-बाल और उतनी ही वाइड गेंदों से पता चलता है कि उन्हें लय में आने के लिए और समय चाहिए। फिन एलन और उनके साथी सलामी बल्लेबाज टिम सीफर्ट ने पावरप्ले में भुवनेश्वर और अर्शदीप पर मनचाहे चौके लगाकर इन दोनों तेज गेंदबाजों पर दबाव बना दिया था। दूसरे मैच में भी बल्लेबाजों के लिए परिस्थितियां अनुकूल रहने की उम्मीद है और ऐसे में गेंदबाजों को किसी भी तरह की गलती करने से बचना होगा। पहले टी-२० में सबसे ज्यादा रन लुटाने वाले अक्षर पटेल पर भी दबाव होगा। भारत के कप्तान श्रेयस अय्यर ने चार विकेट से जीत के बाद कहा कि हमें हार्ड लेंथ पर गेंदबाजी करनी चाहिए थी लेकिन इसके बजाय हमने ओवर पिच गेंदबाजी अधिक की। बल्लेबाजी की बात करें तो ईशान किशन के चोटिल होने के कारण १५ वर्षीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को इस मैच में मौका मिल सकता है। उनका अभिषेक शर्मा के साथ पारी का आगाज करने की उम्मीद है जबकि संजू सैमसन तीसरे नम्बर पर आ सकते हैं। किशन के चोटिल होने के कारण तिलक वर्मा को पहले मैच में तीसरे नम्बर पर भेजा गया था लेकिन अब उनके पांचवें या छठे नम्बर पर ही आने की उम्मीद है। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी और एडम मिल्ने ने अपने पहले स्पेल में काफी स्विंग हासिल की लेकिन उनकी लेंथ सैमसन और अभिषेक के लिए पर्याप्त कारगर साबित नहीं हुई। कप्तान मिचेल सैंटनर ने भी स्वीकार किया कि उनके गेंदबाजों के लिए भारत के शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों पर अंकुश लगाना सबसे बड़ी चुनौती होगी। सैमसन और अभिषेक ने पावरप्ले में न्यूजीलैंड के गेंदबाजों पर कहर बरपाते हुए ९४ रन बनाये थे। इसके बाद सैंटनर और उनके साथी स्पिनर माइकल ब्रैसवेल ने बीच के ओवरों में भारतीय बल्लेबाजों को परेशान किया। वह फिर से इसी तरह का प्रदर्शन करने की कोशिश करेंगे। भारत के बाएं हाथ के बल्लेबाजों को ऑफ-स्पिन के खिलाफ संघर्ष करना पड़ा है। ब्रैसवेल के खिलाफ उनके रवैये में इसकी स्पष्ट झलक देखने को मिली थी। भारतीय बल्लेबाजी काफी मजबूत है और ऐसे में न्यूजीलैंड के गेंदबाजों को भी अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

भारत-श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, वैभव सूर्यवंशी, तिलक वर्मा, अक्षर पटेल, शिवम दुबे, नीतीश कुमार रेड्डी, नमन धीर, प्रिंस यादव, मयंक यादव, अर्शदीप सिंह, भुवनेश्वर कुमार, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव।

न्यूजीलैंड-मिचेल सैंटनर (कप्तान), फिन एलन, माइकल ब्रैसवेल, मार्क चैपमैन, डेवोन कान्वे, जैकब डफी, लाकी फर्ग्यूसन, जैक फाउल्क्स, मैट हेनरी, बेवन जैकब्स, काइल जैमीसन, एडम मिल्ने, डैरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, टिम सीफर्ट, नाथन स्मिथ।

प्रसारण : १२.३० बजेसे।

मेघना ने क्रिकेट को कहा अलविदा

नयी दिल्ली (एजेन्सियां)। भारत की शीर्ष क्रम की बल्लेबाज एस मेघना ने शुक्रवार को क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा की। आंध्र प्रदेश की ३० साल की इस खिलाड़ी नवम्बर २०२२ में आखिरी बार भारत का प्रतिनिधित्व किया था। वह महिला प्रीमियर लीग में आरसीबी और गुजरात जायंट्स के लिए खेल चुकी है। मेघना ने पोस्ट में लिखा, खिलाड़ी के तौर पर क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा करते हुए मेरा दिल कृतज्ञता की भावना से भरा हुआ है। भारत के लिए तीन एकदिनी और १७ टी-२० अंतरराष्ट्रीय खेलने वाली इस खिलाड़ी ने कहा कि मैदान मेरे लिए दूसरे घर की तरह रहा है। इसने मुझे विपरीत परिस्थितियों में डटे रहना और विनम्र बने रहना सिखाया। इसने मुझे ऐसी यादें और दोस्त दिये हैं जिन्हें मैं जीवनभर संजोकर रखूंगी। उन्होंने लिखा, भले ही क्रिकेट खेलने के मेरे दिन अब समाप्त हो गये हैं लेकिन इस खेल से मेरा रिश्ता कभी नहीं टूटेगा। मैं हमेशा क्रिकेट से जुड़ी रहूंगी।

परविन्दर अवाना जूनियर चयन समितिके अध्यक्ष बने

नयी दिल्ली (एजेन्सियां)। भारत के पूर्व तेज गेंदबाज परविंदर अवाना को शुक्रवार को भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की नवगठित जूनियर चयन समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। अवाना ने भारत के लिए दो टी-२० अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। उन्होंने ६२ प्रथम श्रेणी मैच में १९१ विकेट लिए हैं। उन्होंने दिल्ली, भारत 'ए' और शेष भारत का भी प्रतिनिधित्व किया।



इसके अलावा वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में किंग्स इलेवन पंजाब (अब पंजाब किंग्स) की ओर से खेले थे। संन्यास के बाद अवाना ने कोचिंग की राह अपनायी। उन्होंने दिल्ली की अंडर-१६, अंडर-१९ और अंडर-२३ टीम के साथ काम किया। इसके अलावा वह भारत की अंडर-19 टीम के साथ बीसीसीआई और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' (सीओई) के विभिन्न कार्यक्रमों से भी जुड़े रहे। समिति के अन्य सदस्यों में कृष्णा दास, राकेश पटेल और एन अर्जुन यादव शामिल हैं। बीसीसीआई ने बयान में कहा कि क्रिकेट सलाहकार समिति (सीएसी) ने जूनियर क्रिकेट समिति के सदस्यों की नियुक्ति के लिए चयन प्रक्रिया पूरी की। बयान के अनुसार, सीएसी ने आवेदकों की छंटनी की और उनके साक्षात्कार लिए। इस प्रक्रिया के बाद समिति ने परविंदर अवाना को अध्यक्ष तथा कृष्णा दास, राकेश पटेल और एन अर्जुन यादव को सदस्य नियुक्त करने की सिफारिश की।

प्रतिका के शतकसे भारतकी बड़ी जीत

श्री चरणी और क्रांति गौड़, गेंदबाजीमें चमकीं, पहले महिला एकदिनी में जिम्बाब्वेको नौ विकेट से हराया



शतकीय पारीके दौरान शाट खेलती प्रतिका रावल।

वडोदरा (आससे)। श्री चरणी (१० ओवर, तीन मेडन, २३ रन, चार विकेट) के करियर के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन तथा क्रांति गौड़ (३-४२) की बेहतरी गेंदबाजी के बाद सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल (अजेय १००) तथा उनकी शेफाली वर्मा (अजेय ६४) के साथ दूसरे विकेटके लिए ७० गेंद में की गयी १०६ रनकी अटूट साझेदारी के सहारे भारत ने शुक्रवार को यहां पहले महिला एकदिनी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में जिम्बाब्वे को नौ विकेट से करारी शिकस्त देकर तीन मैचों की शृंखला में १-० से बढ़त बना ली। जिम्बाब्वे को ४९.५ ओवर में १९७ रन पर समेटनेके बाद भारत ने कप्तान स्मृति मंधाना का विकेट गंवाकर २७.१ ओवर में २०० रन बना लिए। मंधाना ने ३४ गेंद में चार चौके के सहारे ३२ रन बनाये और प्रतिका रावल के साथ पहले विकेटके लिए ९३ गेंद में ९४ रन जोड़े। प्लेयर आफ द मैच प्रतिका ने अपनी पारी के दौरान ९६ गेंद में १५ चौके लगाये। उन्होंने चौके के साथ एकदिनी में अपना तीसरा शतक पूरा किया जबकि शेफाली ने ३३ गेंद में पांच चौके और चार गगनचुंबी छक्के जड़ी। इससे पहले टास जीतकर खेलने वाली जिम्बाब्वे के लिए बिलव्ड बीजा ने ९२ गेंद में पांच चौके के सहारे ६२ रन की पारी खेली वरना टीम १५० के अंदर ही सिमट जाती। श्री चरणी ने अहम मौकों पर विकेट चटकाकर जिम्बाब्वे की पारी को झकझोर दिया। वहीं क्रांति गौड़ ने भी उनका अच्छा साथ निभाया। दोनों ने यहां कोटांबी के बल्लेबाजी के मुफीद विकेट पर जिम्बाब्वे को बड़ा स्कोर बनाने से रोक दिया। बाएं हाथ की स्पिनर श्री चरणी ने सलामी बल्लेबाज मोडेस्टर मुपाचिकवा (२५) और चिपो मुगेरी टिरिपानो (२१) को आउट करके जिम्बाब्वे को शुरुआती झटके दिये। इसके बाद उन्होंने न्याशा ग्वांजुरा (१३) और खतरनाक दिख रही मिशेल मावुंगा को पवेलियन भेजकर भारत का दबदबा बनाये रखा। वहीं क्रांति ने शुरुआती ओवरों में दो कैच छूटने के बावजूद अपना ध्यान नहीं भटकने दिया और तीन विकेट हासिल किये। इनमें बीजा का अहम विकेट भी शामिल था। जिम्बाब्वे की चौथे नम्बर की बल्लेबाज बीजा ने सतर्कता और आक्रामकता का अच्छा मिश्रण दिखाया। उन्होंने एक छोर संभालते हुए अर्द्धशतकीय पारी खेली लेकिन दूसरे छोर पर उन्हें साथ नहीं मिला। भारत ने भले ही मैदान पर दबदबा बनाया हो लेकिन एक बार फिर खराब क्षेत्ररक्षण देखने को मिला और टीम ने कुछ आसान कैच टपका दिये। जिम्बाब्वे की सलामी बल्लेबाज मुपाचिकवा और तीसरे नम्बर की बल्लेबाज मुगेरी टिरिपानो को जीवनदान मिले। तीसरे ओवर की आखिरी गेंद पर गौड़ की ऑफ स्टंप के बाहर की गेंद पर बाएं हाथ की बल्लेबाज मुगेरी टिरिपानो ने ड्राइव खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद उनके बल्ले का किनारा लेकर पीछे गई। विकेटकीपर ऋचा घोष आसान कैच पकड़ने में नाकाम रहीं। आठवें ओवर में मुपाचिकवा ने गौड़ की वाइड गेंद पर जोरदार शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद बल्ले का बाहरी किनारा लेकर दूसरी स्लिप में खड़ी दीप्ति शर्मा (४४ रन देकर दो विकेट) के पास चली गयी। हालांकि दीप्ति ने कैच लेने की कोशिश की लेकिन गेंद उनके हाथों से छिटक गयी। बाद में जब मावुंगा तेजी से रन बना रही थीं तब ४०वें ओवर में दीप्ति की गेंद पर उन्हें जीवनदान मिला। क्रांति गौड़ के पास डीप मिडविकेट पर उनका जोरदार शाट लपकने का मौका था लेकिन वह यह मुश्किल कैच नहीं पकड़ सकीं।

भारतने एक ही दिनमें जीते नौ स्वर्ण, पिछला रेकार्ड तोड़ा

एशियाई पैरा खेल ३० स्वर्ण सहित कुल ११४ पदक जीते

नागोया (एजेन्सियां)। भारत ने पैरा एशियन गेम्स में अबतक का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। भारत ने आइची-नागोया में ३० स्वर्ण सहित कुल ११४ पदक जीते और हांग्झू खेलों का अपना रेकार्ड तोड़ दिया। भारत ने पिछले संस्करण में २७ स्वर्ण सहित कुल १०८ पदक जीते थे जो उसका इन खेलों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था लेकिन इस बार पैरा अथलीटों ने अपना पिछला रेकार्ड तोड़ दिया। भारत ने इस तरह अपने अभियान का अंक रेकार्ड प्रदर्शन के साथ किया। भारत ने इस बार इन खेलों में १६८ खिलाड़ियों का दल भेजा था जो २०२३ में हांग्झू में हुए पिछले चरण में हिस्सा लेने वाले दल की संख्या से लगभग आधा था। शुक्रवार को पहली बार स्वर्ण पदक जीतने में पैरा अथलेटिक्स का दबदबा नहीं रहा बल्कि बैडमिंटन खिलाड़ियों, तीरंदाजों और निशानेबाज मोना अग्रवाल ने भी भारत के पदकों की संख्या बढ़ाने में अहम योगदान दिया। इस तरह भारत ने ३० स्वर्ण, ३५ रजत और ४९ कांस्य पदकों के साथ अपना अभियान पूरा किया। इससे पहले भारत के संदीप और हानी ने शुक्रवार को क्रमश: पुरुषों की ४०० मीटर टी६४ फाइनल और पुरुषों की भालाफेंक एफ३७/३८ स्पर्धा में विश्व रेकार्ड के साथ स्वर्ण पदक जीते। संदीप ने ५२.२८ सेकंड के विश्व रेकार्ड के साथ सुनहरी कामयाबी हासिल की जबकि अजय कुमार को कांस्य पदक मिला। सउदी अरब के नूर अलसाना को ५३.१३ सेकंड के साथ रजत पदक मिला जबकि अजय ने खेलों का रेकार्ड बनाकर ५३.६१ सेकंड के साथ कांस्य पदक जीता। संदीप और अलसाना टी४४ श्रेणी में खेलते हैं जबकि कुमार टी६४ श्रेणी के खिलाड़ी हैं। दोनों श्रेणियों की स्पर्धा अक्सर संयुक्त होती है। भालाफेंक एफ३७ /३८ स्पर्धा में हानी ने ६०.४९ मीटर (रजा अंक १११६) का विश्व रेकार्ड बनाकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। ईरान के होरमोज एस को ५०.६८ मीटर (रजा अंक १००९) के साथ रजत और चीन के यू चेंगजी को ५३.६६ मीटर (रजा अंक ९४३) के साथ कांस्य पदक मिला। इससे पहले प्रमोद बिजारनिया और निमिषा चाक्कुंगालपाराम्बिल ने क्रमश: पुरुषों की १५०० मीटर टी४६ और महिलाओं की ऊंची कूद टी४७ स्पर्धा में रजत पदक जीता। निमिषा ने ५.३७ मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ रजत पदक हासिल किया जबकि श्रीलंका की धनंजना विक्रमसिंघे ने खेलों के रेकार्ड ५.५२ मीटर के साथ स्वर्ण पदक जीता। चीन की चेन जिन ने ५.१७ मीटर के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया। पुरुषों के १५०० मीटर टी४६ फाइनल में प्रमोद ने चार मिनट ०९.६५ सेकंड का समय निकालकर रजत पदक जीता। श्रीलंका के पुवाकपितिकांदे पी वाहुमपुरागे रेकार्ड चार मिनट ०३.२५ सेकंड का समय निकालकर शीर्ष पर रहे। फिलीपींस के किंग जेम्स रेयेस को कांस्य पदक मिला जिन्होंने चार मिनट १३.१८ सेकंड का समय निकाला। भारत के प्रवीण शर्मा पुरुषों के चक्काफेंक एफ११ फाइनल में ३०.६४ मीटर के प्रयास के साथ चौथे स्थान पर रहे। ईरान ने तीनों पदक जीते। अमीषा रावत महिलाओं की शाटपुट एफ४६ स्पर्धा में ११.१६ मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ चौथे स्थान पर रही।



अनाहत सिंह पहली बार सेमीफाइनल में

नयी दिल्ली (एजेन्सियां)। भारतीय स्क्वैश खिलाड़ी अनाहत सिंह ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए अमेरिका के रेडवुड सिटी में चल रहे सिलिकान वैली ओपन टूर्नामेंट में मिस्र की छठी वरीयता प्राप्त सलमा हानी पर पांच गेम की रोमांचक जीत के साथ पहली बार किसी पीएसए गोल्ड प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। विश्व में १५वें नम्बर पर काबिज १८ वर्षीय खिलाड़ी अनाहत ने मिस्र की विश्व में तीसरे नम्बर की खिलाड़ी और आठ बार की विश्व चैम्पियन नूर एलशेरबिनी को सीधे गेम में हराने के एक दिन बाद क्वार्टरफाइनल में विश्व में १४वें नम्बर के खिलाड़ी हानी को ४२ मिनट में ४-११, ११-८, ४-११, ११-२, ११-५ से हराया। विश्व जूनियर चैम्पियन अनाहत ने २-१ से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करके जीत हासिल की। अनाहतने कहा कि मैंने इससे पहले कभी उसका सामना नहीं किया था।

एशियाई पैरा खेलकी खबरें

प्रणव सूरमा की क्लब थ्रो में सुनहरी सफलता

नागोया (एजेन्सियां)। भारत के प्रणव सूरमा ने शुक्रवार को यहां एशियाई पैरा खेलों की पुरुषों की क्लब थ्रो एफ५१ स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता जबकि धरमवीर ने इसी स्पर्धा में कांस्य पदक अपने नाम किया। सूरमा ने ३२.८७ मीटर की दूरी के साथ खेलों का रेकार्ड बनाते हुए पिछले चरण में जीते अपने स्वर्ण पदक का सफलतापूर्वक बचाव किया। उन्होंने २०२४ पेरिस पैरालम्पिक में रजत पदक जीता था। कोरिया के जिवोन जंग ने २८.४० मीटर की दूरी के साथ रजत पदक जीता जबकि धरमवीर ने २७.७१ मीटर के प्रदर्शन से कांस्य पदक हासिल किया।

हरविंदर और विजय को रिकर्व में सोना

नागोया (एजेन्सियां)। भारत के हरविंदर सिंह और विजय सुंडी ने एशियाई पैरा खेलों में शुक्रवार को पैरा रिकर्व पुरुष युगल फाइनल में चीन को ५-१ से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। दोनों टीमों के बीच पहला सेट ३५-३५ से बराबरी पर था। भारत ने दूसरा सेट ३७-३६ से और तीसरा ३८-३६ से जीता। चीन के युन डुओ और झाओ लिक्सू की जोड़ी प्रदर्शन में निरंतरता नहीं रख सकी। इससे पहले भारत की भावना चौधरी और पूजा जटिया की जोड़ी महिला पैरा रिकर्व युगल फाइनल में चीन की गाओ जिहान और वांग शूकियान से ०-६ से हार गयी और उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा। भारतीय जोड़ी ने ३१, ३०, २९ स्कोर किया जबकि चीन ने ३८, ३५ और ३९ स्कोर किया।

तैराक नंदल ने तीसरा कांस्य पदक जीता

नागोया (एजेन्सियां)। हिमांशु नंदल ने एशियाई पैरा खेलों में शुक्रवार को यहां अपना तीसरा कांस्य पदक जीता जिससे भारतीय पैरा तैराकों ने आइची-नागोया खेलों में अपना अभियान कुल ११ पदकों के साथ समाप्त किया। पिछले चरण में मिले एकमात्र कांस्य पदक की तुलना में यह बड़ा सुधार है। भारतीय तैराकों ने इस बार तीन रजत और आठ कांस्य पदक जीते। हिमांशु नंदल और रवि बुडिगिना तीन-तीन पदक जीतकर भारतीय तैराकी दल के अभियान को सफल बना दिया। 'ऑप्टिक नर्व' (दृष्टि तंत्रिका) में खराबी के कारण जन्म से दृष्टिहीन २२ वर्षीय हिमांशु ने पुरुषों की १०० मीटर फ्रीस्टाइल एस११ स्पर्धा को एक मिनट ५.९० सेकंड में पूरी कर कांस्य पदक की हैटट्रिक भी पूरी की। जापान के उचु तोमिता ने ५८.२२ सेकंड के समय के साथ खेलों का नया रेकार्ड बनाते हुए स्वर्ण पदक जीता जबकि चीन के चुआनझेन सुन ने ५८.७० सेकंड में रजत पदक हासिल किया।

मोना ने विश्व रेकार्ड के साथ दूसरा स्वर्ण जीता

नागोया (एजेन्सियां)। भारतीय पैरा निशानेबाज मोना अग्रवाल ने एशियाई पैरा खेलों में शुक्रवार को महिलाओं की ५० मीटर राइफल थ्री पोजिशंस एसएच१ स्पर्धा में विश्व रेकार्ड तोड़कर स्वर्ण पदक जीता। मोना ने ३५७.५ स्कोर करके इन खेलों में दूसरा स्वर्ण अपने नाम किया। इससे पहले विश्व रेकार्ड ३५६ का था जो स्वीडन की अन्ना बेंसन के नाम था। उन्होंने इस साल जुलाई में यह रेकार्ड बनाया था। चीन की झांग कुइपिंग ने ३५३.७ अंक लेकर रजत और दक्षिण कोरिया की किम मियुंग ने ३४४.४ अंक के साथ कांस्य पदक जीता।

टेबल टेनिस में जेहान-शुभम ले आये कांसा

नागोया (एजेन्सियां)। भारत के जेहान दोराब मदान और शुभम वाधवा ने एशियाई पैरा खेलों में शुक्रवार को पुरुष युगल एमडी४ टेबल टेनिस स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। भारतीय जोड़ी को ग्रुप ए के आखिरी मैच में दक्षिण कोरिया के पार्क जिंचोएल और किम कियुंग हयून ने १४-१२, ११-७, ११-५ से हराया। शीर्ष चार में रहने के कारण भारतीय जोड़ी को कांस्य पदक मिला। पूर्व रेसिंग ड्राइवर ५० वर्ष के जेहान भारतीय दल में पदक जीतने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी हैं।

सुमितने किया स्वर्णका बचाव

नागोया (एजेन्सियां)। भारत के स्टार पैरा भाला फेंक अथलीट सुमित अंतिल ने शुक्रवार को यहां एशियाई पैरा खेलों में पुरुषों की एफ ४२-४४/६१-६४ संयुक्त स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर अपने खिताब का बचाव किया तो वहीं इस स्पर्धा में भारत ने तीनों पदक अपने नाम किये। दो बार के पैरालम्पिक स्वर्ण पदक विजेता और विश्व रेकार्ड धारक २८ वर्षीय सुमित ने अपने दूसरे प्रयास में ७२.४६ मीटर दूर भाला फेंककर स्वर्ण पदक हासिल किया। सुमित ने २०२३ के एशियाई पैरा खेलों में ७३.२९ मीटर के तत्कालीन विश्व रेकार्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता था। इसके बाद उन्होंने इस साल मई में ७४.८२ मीटर का नया विश्व रेकार्ड बनाया। शुक्रवार को वह अपना रेकार्ड नहीं तोड़ सके लेकिन एफ६४ वर्ग में प्रतिस्पर्धा करते हुए अन्य खिलाड़ियों से आगे रहे। एफ४२ वर्ग में हिस्सा लेने वाले महेंद्र गुर्जर ने ५९.०३ मीटर के



प्रदर्शन के साथ रजत पदक जीता जबकि एफ४४ वर्ग के संदीप संजय सरगर ने ६४.४८ मीटर भाला फेंककर कांस्य पदक हासिल किया। महेंद्र को कम दूरी के बावजूद रजत पदक मिला।

श्रेया-दीपा की जोड़ीने दिलायी यूपी को जीत

वाराणसी। श्रेया और दीपा यादवके दमदार खेलसे उत्तर प्रदेश ने शुक्रवार को ७०वीं राष्ट्रीय विद्यालयीय रग्बी प्रतियोगिताके सब जूनियर बालिका वर्गमें तेलंगाना को १०-० से शिकस्त दी। नयी दिल्लीमें खेली जा रही इस प्रतियोगितामें यूपी की खिलाड़ियों ने शानदार तालमेल, तेज रफ्तार और आक्रामक खेल के दम पर मुकाबले में अपना दबदबा बनाये रखा। श्रेया और दीपा यादव ने यूपी के आक्रमण को धार दी, जबकि रोशनी, खुशी और पायल ने भी खेल के अहम मौकों पर टैकल और कन्वर्जन से जुड़े प्रयासों में योगदान दिया। यूपी की खिलाड़ियों ने मजबूत डिफेंस के जरिए तेलंगाना के हमलों को नाकाम किया और विपक्षी टीम को खाता खोलने का मौका नहीं दिया।उत्तर प्रदेश की टीम में शामिल सभी खिलाड़ी विकास इंटर कालेज की छात्राएं हैं।यह जानकारी जिला रग्बी संघ के अध्यक्ष डा एके सिंह ने दी है।

बैडमिण्टनमें तीन स्वर्ण सहित १६ पदक

अंतिम दिन नितेश-नवीन, तुलसीमति और मानसीने जीते सोना, तीन रजत भी भारत की झोलीमें आये

नागोया (एजेन्सियां)। भारत के लिए एशियाई पैरा खेलों की बैडमिंटन स्पर्धा में शुक्रवार का दिन बेहतरीन रहा जब पेरिस पैरालम्पिक चैम्पियन नितेश कुमार, नवीन शिवकुमार ने पुरुष एकल एसएल३ और एसएल४ में स्वर्ण पदक जीता जबकि तुलसीमति मुरूगेसन और मानसी जोशी ने महिला युगल एसएल३, एसयू५ में भारत की झोली में पीला तमगा डाला। इस तरह से भारत ने बैडमिंटन में तीन स्वर्ण, पांच रजत और आठ कांस्य सहित कुल १६ पदक के साथ अपने अभियान का समापन किया। मुरूगेसन और मानसी ने चीन की यांग कियूशिया और शियाओ जूशियान को ३० मिनट तक चले मुकाबले में २१-१६, २१-१३ से हराया। वहीं पैरालम्पिक स्वर्ण पदक विजेताओं के बीच हुए मुकाबले में ३१ वर्ष के नितेश ने ३८ वर्ष के प्रमोद भगत को २१-१८, २१-१६ से हराया। वहीं २०१८ और २०२२ में स्वर्ण जीतने वाले प्रमोद को रजत पदक मिला। नितेश और पेरिस पैरालम्पिक रजत पदक विजेता तुलसीमति को मिश्रित युगल एसएल३, एसयू५ में रजत पदक भी मिला। उन्हें फाइनल में इंडोनेशिया के लीनी रात्रि ओकतिला और हिकमत रामदानी ने ११-२१, २१-१९, २१-१४ से हराया। मुरूगेसन को महिला एसयू५ वर्ग में रजत से संतोष करना पड़ा जो फाइनल में चीन की यांग कियूशिया से १८-२१, ११-२१ से हार गयी। नित्या श्री सुमति सिवन ने महिला एकल एसएच६ फाइनल में चीन की लि फेंगमेइ से १२-२१, १३-२१ से हारने के बाद रजत पदक जीता। स्वर्ण जीतने के बाद नितेश ने कहा कि एशियाई खेलों में स्वर्ण जीतकर बहुत अच्छा लग रहा है। पिछली बार मैं काफी करीब पहुंचकर हार गया था। इस बार प्रमोद को दो गेम में हराना काफी खास है और ऐसा बहुत कम देखने को मिलता है। पहली बार इन खेलों में भाग ले रहे नवीन ने इंडोनेशिया के फ्रेडी सेतियावान को ३६ मिनट तक चले मुकाबले में २१-९, २१-१७ से हराया। उन्होंने कहा कि मुझे बहुत खुशी और गर्व महसूस हो रहा है। मैं पिछले तीन चार महीने से इस पल का इंतजार कर रहा था। नवीन ने युगांडा पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल २०२२ में स्वर्ण और बहरीन में बीडब्ल्यूएफ पैरा बैडमिंटन विश्व चैम्पियनशिप २०२६ में रजत पदक जीता था।

विमल जैन हस्तरेखा विशेषज्ञ, रत्न-परामर्शदाता, फलित अंक ज्योतिषी एवं वास्तुविद्
एस. 2/1-76 ए, द्वितीय तल, वरदान भवन, टैगोर टाउन एक्सटेंशन, भोजूबीर, वाराणसी-221002
09335414722

आज का राशिफल शनिवार, 24 अक्टूबर 2026

मेष-	प्रगति में बाधा, नवयोजना अधूरी, वाद-विवाद, अर्थ-पक्ष में निराशा, दुर्घटना संभव।
वृषभ-	शारीरिक सुख, सलाह से कामयाबी, नौकरी में पदोन्नति, उलझनों से मुक्ति, खुशी।
मिथुन-	पारिवारिक खुशी, विरोधी पराभूत, शिक्षा-प्रतियोगिता में सफलता, मनोबल में वृद्धि।
कर्क-	जनसम्पर्क का सुयोग, योजना का श्रीगणेश, धनागम का मार्ग प्रशस्त, शांति भी।
सिंह-	व्यापार में निराशा, प्रयास असफल, लापरवाही से हानि, प्रगति में बाधा, हानि भी।
कन्या-	मनोरंजन में रुचि, राजनैतिक लाभ, प्रतिष्ठा में वृद्धि, इच्छा की पूर्ति, विरोधी परास्त।
तुला-	कार्यों में प्रगति, परोपकार की भावना, मनोविनोद के अवसर, यात्रा संतोषजनक।
वृश्चिक-	सुसंदेश की प्राप्ति, हर्षोल्लास का माहौल, साहसिक प्रयास, पारिवारिक खुशी, हर्ष भी।
धनु-	प्रियजनों से मतभेद, स्वास्थ्य प्रभावी, मानसिक तनाव, बात-बात पर क्रोध, हानि संभव।
मकर-	सफलता का सुयोग, धन प्राप्ति, संबंधों में प्रगाढ़ता, धार्मिक रुचि, दूर-समीप की यात्रा।
कुम्भ-	स्वास्थ्य में सुधार, योजना फलिभूत, संकल्प सिद्धि, मानसिक राहत, यात्रा सार्थक।
मीन-	नवीन योजना साकार, समस्या का निवारण, शिक्षा में सफलता, नवीन उपलब्धि।

आज है जिनका जन्मदिन 24 अक्टूबर

आपको जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ। जन्मदिनांक 24 का मूलांक 6 का स्वामी ग्रह शुक्र एवं माह का अधिपति ग्रह शुक्र है। व्यक्तित्व शान्ति और धैर्य का सूचक होगा। निर्देशन के क्षेत्र में सर्वोपरि होंगे। किसी भी कार्य को बहुत ही शीघ्रता से करने की क्षमता रखेंगे। दूसरों की सेवा व सहायता करें के लिए सदैव तत्पर रहेंगे। किसी एक जगह पर ज्यादा देर तक नहीं टिक पायेंगे। भावुकता से ओत-प्रोत होंगे। व्यवस्थित जीवन व्यतीत करना चाहेंगे। किसी भी बात को लेकर तुरन्त निराश हो जायेंगे। में ईर्ष्या की भावना भी पाई जायेगी। फैशन सम्बन्धित वस्तुओं पर अधिक व्यय करेंगे। गृहस्थ जीवन सामान्य-सा रहेगा। बन संवर कर रहना ज्यादा पसन्द करेंगे। आधुनिकता प्रेमी होंगे। भोग विलासिता की ओर रुझान अधिक रहेगा। इष्ट देवी-देवता की पूजा एवं अर्चना करें। दैनिक जीवन में सफेद रंगों की वस्तुओं का प्रयोग अधिकतम करें। कनिष्ठिका अंगुली में चांदी का छल्ला सविधि धारण करें। शुक्र यंत्र धारण करें। तन-मन-कर्म-वचन से शचिता का धर्म अपनाएँ। सुख-समृद्धि व सफलता के लिए रत्न या उपरत्न तथा यन्त्र विधि-विधानपूर्वक धारण करें।

आपके लिए शुभ

मन्त्र	: ॐ शुं शुक्राय नमः	मास	: फरवरी, अक्टूबर एवं नवम्बर
व्रत	: शुक्रवार	वर्ष	: 6, 15, 24, 33, 42, 51, 60, 69
दिन	: सोमवार, मंगलवार एवं शुक्रवार	रंग	: हल्का नीला एवं सफेद
दिनांक	: 6, 15, 24	जन्मरत्न	: हीरा उपरत्न : सफेद पुखराज
अंक	: 4, 5, 8	जड़ी	: अरण्ड की जड़ दिशा : आग्नेय

वर्ष का महत्वपूर्ण समय—20 अक्टूबर से 21 अक्टूबर, 23 अक्टूबर से 20 अक्टूबर

यन्त्र

11	6	13
12	10	8
7	14	9

सुडोकू ४०९.३

सरीका खेलने का : दिनभर खेल और सप्ताहों को खेलने है।तर्क से इसे हल कर सकते हैं। ऊपर की-नी खानों के-नी खाने दिए गए हैं। आपको १ से ९ की संख्याएं इस तरह लिखनी हैं कि खड़ी और पड़ी लाइनों के प्रत्येक खाने में १ से ९ की सभी संख्याएं आएं। खाने की 3x3 के प्रत्येक बक्से में भी १ से ९ तक की संख्याएं हों। पहेली का हल सम करना होगा।

| | | | | | | | | |